RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 282
दि. 13.02.2026, शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

नोएडा में सीएम योगी ने की कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा, 4000 करोड़ के सेमीकंडक्टर पार्क पर जोर

(जीएनएस)।

नोएडा। आज नोएडा के सेक्टर 38 में उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और अथॉरिटी के सीनियर अधिकारियों के साथ एक जरूरी रिव्यू मीटिंग की। मीटिंग के दौरान, उन्होंने जिले में कानून-व्यवस्था की स्थिति और डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स की प्रोग्रेस के बारे में जानकारी ली।

मीटिंग के दौरान, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के साथ-साथ सभी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करने के साफ निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से नागरिकों की समस्याओं का तुरंत समाधान सुनिश्चित करने और प्रोजेक्ट को लागू करने में ट्रांसपेरेंसी बनाए रखने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश के पहले सेमीकंडक्टर पार्क के डेवलपमेंट के लिए प्रस्तावित प्रोग्राम का भी रिव्यू किया, जिसे फॉक्सकॉन (होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड) द्वारा सेक्टर 28, ए-01, यमुना डेवलपमेंट अथॉरिटी एरिया में 48 एकड़ में लगभग ₹4,000 करोड़

की लागत से बनाया जा रहा है।

उन्होंने अधिकारियों को इस प्रोजेक्ट को मॉडर्न टेक्नोलॉजी और ग्लोबल स्टैंडर्ड का इस्तेमाल करके डेवलप करने का निर्देश दिया, जिससे इन्वेस्टमेंट आकर्षित हो और रोजगार बढ़े। इस सेमीकंडक्टर पार्क के बनने से लगभग 3,000 लोगों को रोजगार के मौके मिलेंगे।

इसके अलावा, उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि प्रोजेक्ट के ऑपरेशन में एनवायरनमेंटल स्टैंडर्ड्स का पालन किया जाए और लोकल लोगों को इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा मिले।

इस मौके पर तीनों अथॉरिटीज के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफसर्स, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट, पुलिस कमिश्नर और दूसरे संबंधित डिपार्टमेंट्स के अधिकारी मौजूद थे।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा - भारतनेट भारत को डिजिटल रूप से एक सशक्त समाज में बदल रहा है

(जीएनएस)।

ब्रॉडबैंड अवसंरचना के विस्तार की वजह से भारत ने एक अरब इंटरनेट ग्राहकों का आंकड़ा पार कियासंचार और उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज संसद को बताया कि भारतनेट, दुनिया के सबसे बड़े सरकारी नेतृत्व वाले कनेक्टिविटी कार्यक्रमों में से एक, डिजिटल विभाजन को पाटने और ग्रामीण भारत में ब्रॉडबैंड पहुंच का विस्तार करने में परिवर्तनकारी भूमिका निभा रहा है।राज्यसभा में एक प्रश्न का उत्तर देते हुए मंत्री ने कहा कि भारतनेट भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करना है।श्री सिंधिया ने कहा "पिछले ग्यारह वर्षों में, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने मोबाइल और ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी में अभूतपूर्व विस्तार देखा है, जो ऐतिहासिक डिजिटल परिवर्तन को गति दे रहा है,"

मंत्री ने उल्लेख किया कि मोबाइल ग्राहकों की संख्या 2014 में 930 मिलियन से बढ़कर आज 1.2 अरब हो गई है, जबकि मोबाइल पहुंच 75 प्रतिशत से बढ़कर 92 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि इंटरनेट ग्राहकों की संख्या 2014 में 250 मिलियन से बढ़कर 1 अरब से अधिक हो गई है, जबकि पहुंच 20 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 71.8 प्रतिशत हो गई है। ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या भी 61

मिलियन से बढ़कर 1 अरब से अधिक हो गई है, जबकि औसत फिक्स्ड ब्रॉडबैंड स्पीड अब लगभग 61.55 एमबीपीएस है।

भारटनेटः भारत के ग्राम पंचायतों को जोड़ना

भारटनेट ग्राम पंचायतों में ऑप्टिकल फाइबर केबल (ओएफसी) बिछाकर कनेक्टिविटी प्रदान करता है। देश की 2,56,000 ग्राम पंचायतों में से लगभग 2,14,000 को भारतनेट चरण क और क्क के तहत ऑनलाइन किया गया है, जिसकी अनुमानित लागत ₹42,000 करोड़ है।तमिलनाडु में, राज्य ने बीएसएनएल के बजाय अपनी विशेष प्रयोजन वाहन तनफिनेट के माध्यम से परियोजना को लागू करने का विकल्प चुना। राज्य की 12,525 ग्राम पंचायतों में से 10,869 जुड़ चुकी हैं। शेष ग्राम पंचायतें और 4,767 गैर-ग्राम पंचायत गांव संशोधित भारतनेट कार्यक्रम के तहत कवर किए जाएंगे, जो $16.9 अरब लागत की पहल है और वैश्विक रूप से सबसे बड़ा सरकारी नेतृत्व वाला कनेक्टिविटी कार्यक्रम है।

राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन 2.0: 2030 के लक्ष्य

मंत्री ने सदन को आगे सूचित किया कि 1 अप्रैल 2025 को लॉन्च किए गए राष्ट्रीय ब्रॉडबैंड मिशन (एनबीएम) 2.0 ने 2030 के लिए सात प्रमुख लक्ष्य निर्धारित किए हैं:

दिसंबर 2025 तक 42,000 गांवों में 95 प्रतिशत अपटाइम के साथ ओएफसी कनेक्टिविटी हासिल की गई है, 2030 तक 2.7 लाख गांवों का लक्ष्य।

स्कूलों, आंगनवाड़ियों और पंचायत कार्यालयों जैसी एंकर संस्थानों तक ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी 68.8 प्रतिशत पहुंच गई है, 2030 तक 90 प्रतिशत का लक्ष्य।

राष्ट्रीय औसत फिक्स्ड ब्रॉडबैंड डाउनलोड स्पीड 61.55 एमबीपीएस है, 2030 तक 100 एमबीपीएस का लक्ष्य।

संक्षिप्त समाचार

वित्त मंत्री ने व्यापक विवरण देते हुए स्पष्ट किया कि बजट हमारे राष्ट्र के आर्थिक परिवर्तन में किस प्रकार से योगदान देगा : पीएम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी ने आज लोकसभा में अपने भाषण में इस बात का विस्तृत विवरण दिया कि इस वर्ष का बजट हमारे देश के आर्थिक परिवर्तन में किस प्रकार योगदान देगा। श्री मोदी ने कहा कि उन्होंने रिफॉर्म एक्सप्रेस, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को समर्थन, कौशल विकास, अगली पीढ़ी के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों और अन्य पहलुओं पर बल दिया।

प्रधानमंत्री मोदी आज सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 तथा कर्तव्य भवन-2 का उद्घाटन करेंगे

इस उद्घाटन से देश की प्रशासनिक संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा सेवा तीर्थ में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और मंत्रिमंडल सचिवालय स्थित हैं कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 में वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, शिक्षा आदि कई प्रमुख मंत्रालय स्थित हैं

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 13 फरवरी, 2026 को दोपहर लगभग 1:30 बजे सेवा तीर्थ भवन परिसर के नामकरण का अनावरण करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री सेवा तीर्थ और कर्तव्य

भवन-1 तथा कर्तव्य भवन-2 का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री शाम लगभग 6 बजे सेवा तीर्थ में एक जनसभा को संबोधित भी करेंगे।

यह उद्घाटन देश की प्रशासनिक शासन संरचना में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर है। यह आधुनिक, कुशल, सुलभ और नागरिक-केंद्रित शासन प्रणाली के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है।

दशकों से, कई प्रमुख सरकारी कार्यालय और मंत्रालय सेंट्रल विस्टा क्षेत्र में कई स्थानों पर फैले हुए खंडित और पुरानी अवसंरचनाओं से कार्य करते रहे। प्रमुख कार्यालयों के इस फैलाव के कारण परिचालन में अक्षमताएं, समन्वय संबंधी चुनौतियां, रखरखाव की बढ़ती लागत और काम करने के लिए अनुपयुक्त वातावरण जैसी समस्याएं उत्पन्न हुईं। आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार सुविधाओं से युक्त नए भवन परिसर के भीतर प्रशासनिक कार्यों को समेकित करके इन समस्याओं से अब मुक्ति मिल जाएगा।

प्रधानमंत्री ने महर्षि दयानंद सरस्वती जी को श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज महर्षि दयानंद सरस्वती जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

आईसीएआर-आईएआरआई का 64वां दीक्षांत समारोहः केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान विद्यार्थियों को देंगे उपाधि

(जीएनएस)।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदझ भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर-आईएआरआई), पूसा, नई दिल्ली में 64वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संस्थान की उपलब्धियों, शोध गतिविधियों तथा शैक्षणिक प्रगति की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) के निदेशक डॉ. सीएच श्रीनिवास राव ने बताया कि 13 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में कउअफके राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर (एनएएससी) स्थित भारत रत्न सी. सुब्रह्मण्यम सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में छात्र- छात्राओं को उपाधियां प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर कुल 470 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इनमें 180 पीएच.डी. (70

महिला एवं 110 पुरुष) तथा 290 एम.एससी./एम.टेक. (126 महिला एवं 164 पुरुष) छात्र-छात्राएं शामिल हैं।

निदेशक डॉ. सीएच श्रीनिवास राव ने बताया कि अब तक संस्थान के 12,000 से अधिक छात्र देश-विदेश में कृषि क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं। शोध के वातावरण को सुदृढ़ करते हुए विद्यार्थियों को ऐसे शोध विषयों के चयन हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है जो जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच किसानों को उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने में सहायक हों। उन्होंने कहा कि देश के लगभग 70 प्रतिशत कृषि वैज्ञानिक आईसीएआर संस्थानों से ही निकलते हैं और कृषि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आईसीएआर देश में अग्रणी स्थान रखता है।

डीन डॉ. अनुपमा सिंह ने बताया कि संस्थान में शैक्षणिक कार्य के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है जिससे विद्यार्थी पाठ्यक्रम पूर्ण करते ही ज्ञान एवं कौशल से संपन्न हो सकें।

प्रधानमंत्री ने परीक्षा पे चर्चा के तहत छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर दिए जाने वाले महत्व से सम्बंधित लेख साझा किया

पीएम मोदी ने आज केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार के लेख को साझा किया है। लेख में बताया गया है कि 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को हमेशा परीक्षा के लिए केंद्र में रखा गया है और यह भय पर विजय प्राप्त करने की सीखने की भावना को मजबूत करता है तथा आत्मविश्वास को बढ़ाता है। श्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट कियाः 'परीक्षा पे चर्चा ने हमेशा से ही छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को परीक्षा के लिए केंद्र में रखा है। यह भय पर विजय प्राप्त करने की सीखने की भावना को मजबूत करता है और आत्मविश्वास को बढ़ाता है। जैसे-जैसे परीक्षा के दिन नजदीक आ रहे हैं, राज्य मंत्री डॉ. सुकांता भाजपा का यह ज्ञानवर्धक लेख पढ़ें और परीक्षा का डटकर सामना करें!

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान का स्पष्ट संदेशः पंजाब में अमन कानून की रक्षा के लिए सख्त व्यवस्था जारी रखी जाए

चंडीगढ़, (जीएनएस)।

नशों और संगठित अपराध के खिलाफ अपनी दृढ़ स्थिति दोहराते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पूरी सीनीयर पुलिस लीडरशिप को सुरक्षा व्यवस्था सख्ती से लागू करने के आदेश देते हुए कहा कि पूरे राज्य में अमन कानून व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

पुलिस कमिश्नरों, इंस्पेक्टर जनरल (आईजी), डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) और सीनियर सुपरिंटेंडेंट्स ऑफ पुलिस (एसएसपी) के साथ उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' और 'गैंगस्टरां ते वार' पंजाब सरकार की प्रमुख प्राथमिकताएं हैं और नशों के खतरे तथा गैंगस्टर नेटवर्क को जड़ से खत्म करना चाहिए।

समूचे समन्वय, जवाबदेही और जमीनी स्तर पर प्रत्यक्ष परिणामों की उम्मीद करते हुए मुख्यमंत्री ने दोहराया कि 'आप' सरकार आम नागरिकों की सुरक्षा और रक्षा के लिए दृढ़ प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि जहां कानून लागू करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी, वहीं

पंजाब के नौजवानों के लिए लंबे समय तक सुरक्षित रोजगार के अवसर बढ़ाने, शिक्षा प्रणाली को और मजबूत करने तथा करियर काउंसलिंग को संस्थागत बनाने पर भी निर्भर करता है ताकि नौजवानों को नशों और अपराध का शिकार होने से बचाया जा सके।

अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि ऐसी चुनौतियों का सामना करना पंजाब पुलिस की शानदार विरासत रही है और समय की जरूरत है कि राज्य से नशों के खतरे और गैंगस्टरों का खात्मा करके इस विरासत को कायम रखा जाए और इस कार्य के लिए उन सभी को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी पड़ेगी।

अब तक की प्रगति का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों के पूर्ण समर्थन और सहयोग से राज्य सरकार की दो प्रमुख मुहिमें 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' और 'गैंगस्टरां ते वार' सफलतापूर्वक शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य को नशों और गैंगस्टरों की बुराई से मुक्त करने के उद्देश्य से शुरू की गई इन दोनों मुहिमों के परिणाम शानदार रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि इन दोनों सामाजिक बुराइयों को जड़ से खत्म करना समय की जरूरत है और इसके लिए हर अधिकारी को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

सख्त निगरानी पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि मैं रोजाना इन मुहिमों की प्रगति की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करता रहूंगा ताकि राज्य को नशों और गैंगस्टरों से मुक्त करना सुनिश्चित बनाया जा सके।

14 अंतरराष्ट्रीय देशों से हुए सम्मानित डॉ.आदर्श त्रिपाठी अल्माटी के कैस्पियन यूनिवर्सिटी में हुए सम्मानित

लखनऊ के जाने माने होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ आदर्श त्रिपाठी ने होम्योपैथिक के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है ।जटिल और गंभीर रोगों के सफल उपचार तथा चिकित्सा के शोध और विज्ञान से जोड़ने के अनेकों प्रयास ने उन्हें एक अलग पहचान दिलाई ।

कजाकिस्तान के अल्माटी स्थित कैस्पियन यूनिवर्सिटी मैं आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा के क्षेत्र मे उत्कृष्ट योगदान और विदेशों मे चिकित्सा उल्लेखनीय कार्यों के लिए डॉ आदर्श त्रिपाठी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया । यह सम्मान कैस्पियन यूनिवर्सिटी के वॉइस चांसलर डॉ (प्रो)अयूब सईद द्वारा प्रदान किया गया इन अवसर पर चिकित्सा अनुसंधान

उपचार पद्धति के विकाश तथा वैश्विक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर चर्चा की गई । डॉ आदर्श त्रिपाठी के कार्यों को विशेष रूप से सराहा गया और उनके योगदान को चिकित्सा जगत के लिए प्रेरणादायक बताया गया ।

सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ आदर्श त्रिपाठी ने कहा यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है और वे आगे भी चिकित्सा सेवा अनुसंधान तथा मरीजों के बेहतर उपचार के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे ।

उन्होंने चिकित्सा के क्षेत्र मे अंतरराष्ट्रीय सहयोग और ज्ञान के आदान प्रदान की आवश्यकता पर भी बल दिया ।तथा तमाम जटिल बीमारियों त्वचा रोग, पथरी(गिर्दा, पीत), फैटी लिवर, लिवर सोरायसिस, इनफर्टिलिटी, बचेदानी की गांठ, ओवेरियन सिस्ट, लिकोरिया, मानसिक रोग, गुप्त रोग, बाल झड़ना, पार्केसन, मिर्गी, आदि बीमारियों मैं जर्मन दवाइयों द्वारा लोगों को ठीक किया गया ।इस उपलब्धि पर उनके सहयोगियों, चिकित्सकों तथा शुभचिंतकों ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए इसे गर्व का विषय बताया है ।

मेडटेक स्टार्टअप्स से विस्तार करने और विश्व जीडीपी के 70% हिस्से को कवर करने वाले व्यापार समझौतों का लाभ उठाने का आह्वान

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज मेडटेक स्टार्टअप्स से घरेलू बाजार से परे देखने, वैश्विक जीडीपी के लगभग 70 प्रतिशत हिस्से को कवर करने वाले भारत के विस्तारित व्यापार समझौतों का लाभ उठाने और भारत और दुनिया दोनों की सेवा के लिए किफायती नवाचारों को बड़े पैमाने पर लागू करने का आग्रह किया।

नई दिल्ली में फाइजर आईडोवेशन स्टार्टअप शोकेस प्रोग्राम को संबोधित करते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि किफायती और विस्तार योग्य चिकित्सा प्रौद्योगिकी देश के सबसे दूरस्थ हिस्सों तक पहुंचने में मदद कर सकती है और साथ ही अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, मध्य एशिया,

दक्षिण पूर्व एशिया और विकसित अर्थव्यवस्थाओं के वैश्विक बाजारों तक पहुंच बना सकती है।

उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में संपन्न हुए नौ मुक्त व्यापार समझौते मजबूत प्रति व्यक्ति आय वाले 38 देशों को कवर करते हैं, और अधिकांश विकसित बाजारों के भारत के साथ व्यापारिक समझौते हैं। इन समझौतों में 27 देशों का यूरोपीय संघ समूह, चार देशों का ईएफटीए समूह, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड, संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं, जबकि जापान और कोरिया के साथ समझौते पहले ही संपन्न हो चुके हैं, साथ ही आसियान देशों के साथ भी समझौते हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत को अब वैश्विक जीडीपी के 70

सम्पादकीय

एआई तकनीक पर भारत की तेजी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को खुले स्त्रोत पर आधारित कृत्रिम मेधा यानि एआई के लिए एक वैश्विक ढांचा स्थापित करने के लिए सामूहिक प्रयासों का पुरजोर समर्थन किया जो विश्वास एवं पारदर्शिता बढ़ाने के साथ ही साथ पूर्वाग्रहों से मुक्त हो। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ वैश्विक एआई सम्मेलन की सहअध्यक्षता करते हुए कहा कि एआई राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को बदल रहा है और इस सदी में मानवता के लिए व्यवस्था (कोड) बना रहा है। एआई इंसान के जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस बारे में शायद ही किसी को संदेह है किन्तु इसके दुरुपयोग पर जितनी चर्चाएं होती हैं वह भी लोगों को सशंकित करने के लिए पर्याप्त हैं। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी की यह सलाह ज्यादा प्रासंगिक है कि एआई से संबंधित मुद्दों से निपटने के लिए वैश्विक मानकों की जरूरत है। इसके लिए इस बात की आवश्यकता है कि दुनिया अपने संसाधनों और प्रतिभाओं को एक साथ लाए और ओपेन सोर्स सिस्टम विकसित करे जो विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ावा दे और दुनिया को लाभ पहुंचाने के लिए पूर्वाग्रहों से मुक्त गुणवत्ता वाले डेटा सेट विकसित करे सके।

असल में एआई के इस वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर से नेता आए हुए थे। उन सभी के सामने प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि "हमे साइबर सुरक्षा, गलत सूचना और डीप फेक से संबंधित चिन्ताओं को भी दूर करना चाहिए।" प्रधानमंत्री ने विश्व बिरादरी से जो भी आग्राह किया है वह उनके अनुभव एवं उपलब्धि पर आधारित है। इस बात की जानकारी विश्व नेताओं को भी है कि भारत ने अपने 1.4 अरब से अधिक लोगों के लिए बहुत कम लागत पर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को सफलतापूर्वक तैयार किया है। भारत एआई को अपनाने के साथ डेटा गोपनीयता का प्रौद्योगिकी कानूनी आधार तैयार करने में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

महत्वपूर्ण बात तो यह है कि भारत अपना अनुभव और विशेषज्ञता साझा करने के लिए तैयार है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एआई का भविष्य सभी के लिए अच्छा हो।

प्रधानमंत्री जब यह कहते हैं कि एआई अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को बदल रहा है तो इसका मतलब ही यह है कि दुनिया माने या न माने एआई हमारे जीवन के हर पहलू में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसलिए यह विश्व बिरादरी की जिम्मेदारी है कि वह संचालन व्यवस्था और मानकों को स्थापित करने के लिए सामूहिक वैश्विक प्रयास करे जो हमारे साझा मूल्यों को बनाए रखें, जोखिम को दूर करें और भरोसे का निर्माण करें।

राजनीतिक मजबूरियों की वजह से यह भ्रम फैलाया जाता है कि एआई की वजह से असुंख्य कर्मियों का रोजगार छिन जाता है। यह गलत एवं कपटपूर्ण भ्रम फैलाने की प्रवृत्ति एआई के लिए घातक साबित हो रही है।

ऐसे नासमझ लोग बड़े समझदार होते हैं, वे स्वार्थ के लिए नासमझी का अभिनय करते हैं। उन्हें यह तथ्य पता है कि एआई से नौकरियां जाती नहीं बल्कि उनके स्वरूप में बदलाव आता है और नौकरियों की मात्रा भी बढ़ती हैं। 1980 के दशक में जब कम्प्यूटर युग ने भारत में तेजी से प्रवेश किया तो हाय तौबा मचाकर कुछ लोगों ने ऐसा माहौल बना दिया था कि मानो सूचना प्रौद्योगिकी के आने से देश में बेरोजगारी की बाढ़ आ जाएगी किन्तु ऐसा कुछ भी नहीं हुआ बल्कि रोजगार की बाढ़ आ गई।

बहरहाल एआई के मामले में दुनिया को यह बात स्वीकार कर लेनी चाहिए यदि सकारात्मक भाव से इसे स्वीकार कर लिया तो भी ठीक क्योंकि एआई अब सभी के जीवन के साथ जुड़ने वाला है और सभी के जीवनपर्यन्त उसकी उपयोगिता बनी रहने वाली है। जहालत जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास अख्नूर सेक्टर में हुए आईईडी के विस्फोट से सेना के दो जवानों की मौत होना इस बात का परिचायक है कि दुनिया चाहे जितना विकास की बात करे किन्तु हमारा पड़ोसी पाकिस्तान अपनी जाहिल नीतियों के कारण आतंकवाद का माव्रेट लीडर बने रहने की हर कोशिश करता है।

लोक मिलनी के दौरान मौके पर सीएम भगवंत मान ने किया शिकायतों का निपटारा

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान एक महीने में दूसरी बार जालंधर पहुंचे, लोक मिलनी के दौरान मौके पर ही किया शिकायतों का निपटारा

– भगवंत सिंह मान ने इस पहल को एक ही प्लेटफॉर्म पर लोगों की शिकायतों के निपटारे का सबसे बेहतरीन ढंग बताया

– पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य है, जहां राज्य का मुखिया जनता की भलाई सुनिश्चित करने के लिए व्यक्तिगत रूप से उनसे मिल रहा है: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

– आप सरकार पंजाब के लोगों की हर समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

– सरकार लोगों के प्रति हर जिम्मेदारी पूरी ईमानदारी से निभा रही हैः मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

– हम भविष्य में भी 'लोक मिलनी' कार्यक्रम के माध्यम से लोगों की शिकायतों का समाधान करते रहेंगेः मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

– मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जालंधर स्थित निवास स्थान पर 'लोक मिलनी' कार्यक्रम के दौरान लोगों की समस्याएं सुनीं

चंडीगढ़, **मुख्यमंत्री कार्यालय, पंजाब**

आम लोगों से सीधा संपर्क बनाए रखने संबंधी अपनी गतिविधियों को जारी रखते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज जालंधर में अपने निवास स्थान पर 'लोक मिलनी' कार्यक्रम आयोजित कर यहां के नागरिकों से मुलाकात की और उनकी शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया। इस पहल को एक ही प्लेटफॉर्म पर लोगों की शिकायतों के समाधान के लिए सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य है जहां राज्य का मुखिया व्यक्तिगत रूप से लोगों से मिलकर उनके मुद्दों का मौके पर ही निपटारा सुनिश्चित करता है।

इस बात पर जोर देते हुए कि 'आप' सरकार पूरी ईमानदारी और जवाबदेही के साथ लोगों की हर समस्या का समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोक मिलनी कार्यक्रम सरकार और जनता के बीच एक मजबूत पुल के रूप में काम करता है, जो जवाबदेह और पारदर्शी शासन को सुनिश्चित करता है, और इसे आगे भी इसी तरह जारी रखा जाएगा।

इस दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोक मिलनियां एक ही प्लेटफॉर्म पर लोगों की शिकायतों का निपटारा करने और सुचारू शासन संबंधी जनता से फीडबैक लेने के लिए सबसे बेहतरीन तरीकों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि देश भर में शायद ही कहीं ऐसी नागरिक-केंद्रित पहल देखने को मिले। उन्होंने कहा कि देश भर में ऐसा कोई अन्य राज्य नहीं है जो आम जनता की भलाई के लिए ऐसी लोक-केंद्रित पहल कर रहा हो। उन्होंने कहा कि यह रिकॉर्ड पर है कि लोक मिलनी कार्यक्रम समाज के हर वर्ग की शिकायतों के निपटारे में अधिक लाभदायक सिद्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि लोक मिलनी वास्तव में एक अनोखी पहल है जहां सरकार लोगों की समस्याओं के योजनाबद्ध समाधान के लिए उनसे व्यक्तिगत रूप से संपर्क करती है।

इस पहल को पंजाब के लिए गर्व की बात बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि पंजाब एकमात्र ऐसा राज्य है जहां राज्य का मुखिया जनता की भलाई सुनिश्चित करने के लिए ऐसी मुहिम में व्यक्तिगत रूप से शामिल होता है। उन्होंने कहा कि जहां लोक मिलनी एक तरफ राज्य के सर्वांगीण विकास और लोगों की भलाई सुनिश्चित करती है, वहीं दूसरी तरफ सरकार को अपने अधिकारियों की कार्यक्षमता के बारे में अच्छी तरह जानने का अवसर प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है क्योंकि किसी अन्य राज्य के मुख्यमंत्री लोगों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याओं को जानने और उनके समाधान की कोशिश नहीं करते।

इस बात पर जोर देते हुए कि यह पहल पक्षपातपूर्ण विचारों से कहीं ऊपर की बात है, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि लोक मिलनियों का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का एकमात्र उद्देश्य राज्य और यहां के लोगों के विकास और खुशहाली को सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि लोक मिलनियां एक ही प्लेटफॉर्म पर लोगों की शिकायतों के निपटारे का सबसे अच्छा माध्यम हैं, क्योंकि ये सरकार और जनता के बीच संचार के अंतराल को भरते हुए लोकतांत्रिक ढांचे के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने का बेहतरीन तरीका हैं। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार लोगों की भलाई के लिए अथक मेहनत कर रही है, जिसके लिए राज्य में पहले ही कई प्रमुख पहल की जा चुकी हैं।

नौजवानों के सशक्तिकरण पर सरकार के ध्यान को उजागर करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार का काम नौजवानों के सपनों को पंख देना होता है ताकि वे जीवन में सफलता की नई कहानियां लिख सकें। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा हस्ताक्षर की जाने वाली हर फाइल आम आदमी और राज्य के लाभ के लिए होती है। उन्होंने कहा कि नौजवानों को भ्रष्टाचार या सिफारिश के बिना 63,000 से अधिक नौकरियां प्रदान की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का हर फैसला राज्य की तरक्की और यहां के लोगों की खुशहाली की ओर लक्षित होता है।

शिक्षा सुधारों के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा क्षेत्र में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए राज्य भर में स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए गए हैं। इन स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम, पूरी तरह सुसज्जित लैबोरेटरी और वैज्ञानिक शिक्षा के लिए प्ले-ग्राउंड बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की विशेषज्ञता को निखारने के लिए एक विशेष कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसके तहत शिक्षकों और प्रिंसिपलों को प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजा जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे आधुनिक शिक्षा अभ्यासों से परिचित होकर छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भविष्य के मुकाबलों के लिए तैयार कर सकें। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि पंजाब ने भारत सरकार द्वारा करवाए गए नेशनल अचीवमेंट सर्वे में केरल को भी पीछे छोड़कर पहला स्थान हासिल किया है।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि राज्य के छात्रों को सशस्त्र बलों की परीक्षा की तैयारी के साथ-साथ नीट, जेईई, क्लैट और एनआईएफटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष कोचिंग दी जा रही है। उन्होंने कहा कि यह बहुत गर्व और संतुष्टि की बात है कि स्कूल ऑफ एमिनेंस और अन्य सरकारी स्कूलों के छात्रों ने जेईई मेन्स, जेईई एडवांस्ड और नीट परीक्षाओं में क्वालीफाई किया है। उन्होंने कहा कि एक अन्य महत्वपूर्ण कदम में राज्य के सभी 65 लाख परिवारों के लिए 10 लाख रुपये तक के नकद रहित इलाज के साथ मुख्यमंत्री सेहत योजना शुरू की गई है।

स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं की पहलों का विवरण देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस योजना के तहत आय की कोई शर्त नहीं लगाई गई है और अब सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को भी इस योजना में शामिल किया गया है, जिससे पंजाब समग्र नागरिकों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने वाला पहला राज्य बन गया है। उन्होंने कहा कि 881 आम आदमी क्लीनिक रोजाना मुफ्त इलाज प्रदान कर रहे हैं और वर्ष 2022 में राज्य सरकार के सत्ता संभालने से लेकर राज्य के लगभग 90 प्रतिशत परिवारों को मुफ्त बिजली दी जा रही है।

किसानों के लिए सुविधाओं और मजबूत बुनियादी ढांचे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के इतिहास में पहली बार धान के सीजन के दौरान ट्यूबवेलों को दिन में भी आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली आपूर्ति प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में 6900 किलोमीटर लंबाई वाले 18349 जल मार्गों को पुनर्जीवित कर टेल पर रहने वाले किसानों को नहरी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में कई सरकारी लाइब्रेरी खोली गई हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र अच्छी पढ़ाई-लिखाई करके जीवन में ऊंचे मुकाम हासिल कर सकें।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि आज पंजाब हर क्षेत्र में तेजी से तरक्की कर रहा है क्योंकि राज्य सरकार ने पंजाब के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव कदम उठाए हैं। राज्य सरकार ने स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली और अन्य क्षेत्रों में अभूतपूर्व पहलें की हैं। उन्होंने कहा कि 49,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों के निर्माण का काम पूरे जोर-शोर से चल रहा है, जो जल्द ही पूरा हो जाएगा।

जनता के लिए राहत उपायों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पंजाब में 19 टोल प्लाजा बंद कर दिए हैं जिससे आम आदमी की जेब से टोल फीस के रोजाना 64 लाख रुपये की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि सुचारू स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए राज्य भर में 881 आम आदमी क्लीनिक खोले गए हैं जो लोगों को मुफ्त इलाज और दवाइयां प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने अब तक राज्य के लोगों से किया हर वादा पूरा किया है।

अंत में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब राज्य सरकार राज्य की हर महिला को 1000 रुपये देने की योजना जल्द लागू करेगी, जिसके लिए आने वाले बजट में आवश्यक प्रावधान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों से किया गया हर वादा हर हाल में पूरा किया जाएगा क्योंकि हमारी सरकार सबकी भलाई के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का एकमात्र एजेंडा राज्य की तरक्की और यहां के लोगों की खुशहाली को सुनिश्चित करना है।

राष्ट्रीय कार्यशाला में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड का डिजिकोल दिखाया गया

(जीएनएस)।

खनन क्षेत्र को आधुनिक बनाने और डिजिटाइज करने के लिए कोयला मंत्रालय के वर्तमान प्रयासों को आज महत्वपूर्ण पहचान मिली। कोयला मंत्रालय के तहत कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी, साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने 11 फरवरी 2026 को नई दिल्ली के स्कोप कन्वेंशन सेंटर में डिजिकोल का प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन ' शासन में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटल पहलह्व विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में किया गया। कार्यशाला का आयोजन केंद्रीय सतर्कता आयोग ने किया था। डिजिकोल साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) की प्रमुख डिजिटल कायाकल्प पहल है।

नेशनल प्लेटफॉर्म पर डिजिकोल (ॐउडअछ) की प्रस्तुति कोयला मंत्रालय की बड़ी नीतिगत दिशा और रणनीतिक मार्गदर्शन को दिखाती है। इसने लगातार कोयला और खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रौद्योगिकी आधारित कायाकल्प पर जोर दिया है। यह पहल मंत्रालय के लंबे समय के विजन को दिखाती है। इस विजन में सुनिश्चित किया जा रहा है कि खनन कार्यों को ज्यादा कुशल, डेटा-ड्रिवन और डिजिटली इंटीग्रेटेड बनाया जा सके, जो भारत सरकार के पारदर्शी शासन की तरफ बड़े पैमाने पर किए जा रहे प्रयासों के साथ मेल खाता है।

डिजिटल कायाकल्प के जरिए पारदर्शिता बढ़ाना

ॐउडअछ बड़ा डिजिटल इकोसिस्टम है जिसे खनन की सभी गतिविधियों में ऑपरेशनल ओवरसाइट और सांस्थानिक जवाबदेही को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया है। एडवांस्ड टेक्नोलॉजी को कोर प्रोसेस में एकीकृत करके, एसईसीएल ने रियल-टाइम अनुवीक्षण, डेटा विश्लेषण और फैसले लेने की क्षमताओं को बेहतर बनाया है।

इस पहल के मुख्य हिस्सों में शामिल हैं:

रियल-टाइम लएटट फ्लीट मॉनिटरिंगः सेंसर-बेस्ड सिस्टम फावड़े, डंपर और डोजर जैसी भारी मिट्टी हटाने वाली मशीनरी को ट्रैक करते हैं, लोकेशन, ऑपरेटिंग घंटे और फ्यूल की खपत की मॉनिटरिंग करते हैं। यह सिस्टम असामान्य फ्यूल ड्रॉप, बहुत ज्यादा आइडल टाइम और रूट डेविएशन जैसी गड़बड़ियों का अपने आप पता लगाने में मदद करता है। इससे ऑपरेशनल इनएफिशिएंसी कम होती है और पारदर्शिता बेहतर होती है।

वीडियो एनालिटिक्स और कनेक्टेड वर्कर सिस्टमः ये टेक्नोलॉजी सेफ्टी कंप्लायंस, ऑपरेशनल कंट्रोल और इमरजेंसी रिस्पॉन्स मैकेनिज्म को बेहतर बनाती हैं, जिससे खनन कार्य सुरक्षित और ज्यादा जवाबदेह होते हैं।

ड्रोन-बेस्ड सर्विलांसः खनन सर्वे के लिए ड्रोन का इस्तेमाल, अतिक्रमण की सही पहचान, ढुलाई वाली सड़कों और ढलानों की निगरानी और खासकर मानसून के मौसम में ड्रेनेज सिस्टम का आकलन करने में मदद करता है। इससे प्रिवेंटिव मॉनिटरिंग और रेगुलेटरी कंप्लायंस मजबूत होता है।

डेटा-ड्रिवन माइन प्लानिंगः एडवांस्ड एनालिटिक्स और ऑप्टिमाइज्ड ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग सिस्टम ने प्रोडक्शन प्रोसेस को ज्यादा वैज्ञानिक, कुशल और मापने लायक बना दिया है।

इंटीग्रेटेड डिजिटल प्लेटफॉर्मः डिजिटल लैंड रिकॉर्ड, ऑनलाइन ट्रेनिंग मॉड्यूल, स्पेयर मैनेजमेंट सिस्टम और एक सेंट्रलाइज्ड डिजिटल वॉर रूम मिलकर एक टैम्पर-प्रूफ और यूनिफाइड डिजिटल गवर्नेंस फ्रेमवर्क बनाते हैं।

पारदर्शिता पर राष्ट्रीय कार्यशाला में मॉडल पहल के तौर पर ॐउडअछ को शामिल करना इस बात पर जोर देता है कि कैसे कोयला मंत्रालय की नीतिगत दिशा, ऑपरेशनल लेवल पर टेक्नोलॉजी अपनाने के साथ मिलकर, माइनिंग लैंडस्केप को नया आकार दे रही है। ॐउडअछ जैसी पहल दिखाती हैं कि यह क्षेत्र ज्यादा पारदर्शी, बेहतर दक्षता और टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड गवर्नेंस के जरिए ज़िम्मेदारी से देश की ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए कैसे विकसित हो रहा है। यह पहचान भविष्य के लिए तैयार, जवाबदेह और डिजिटली सशक्त खनन पारिस्थितिकी बनाने के लिए कोयला क्षेत्र की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

सूरज बड़जात्या की 'संगमरमर' देखिये बहुत जल्द सिर्फ जियोहॉटस्टार पर

समय और दूरी से परे जिम्मेदारियों के बीच खिलते प्रेम की अमर दास्तान

मुंबई,: हर सफल महिला के पीछे एक समझदार पुरुष का साथ होता है। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत 'संगमरमर' राजश्री प्रोडक्शंस (प्रा.) लि. की पेशकश है, जिसका निर्माण ज्योति देशपांडे ने किया है और निर्देशन विक्रम घई ने संभाला है। यह सीरीज जल्द ही जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। यह एक संवेदनशील पारिवारिक ड्रामा है, जो भारतीय परिवारों की भावनात्मक बुनावट में रचा-बसा है और प्रेम, जिम्मेदारी तथा रिश्तों को थामे रखने वाली शांत ताकत को गहराई से दशार्ता है। सूरज बड़जात्या की विशिष्ट भावनात्मक गर्माहट और संवेदनशीलता से सजी इस सीरीज में शीन सविता दास और सौरभ राज जैन मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। उनके साथ स्मिता बंसल, खालिद सिद्दीकी, फारूक सईद, जया ओझा, अविनाश वाधवानी सहित अन्य कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 'संगमरमर' एक महिला की गहन व्यक्तिगत यात्रा को दिखाती है, जो कालातीत प्रेम और भावनात्मक रूप से समृद्ध रिश्तों पर आधारित है। यह कहानी दिखाती है कि जीवन की गति भले आगे बढ़ती रहे, कुछ रिश्ते अपनी जड़ों में अडिग रहते हैं। टीजर एक ऐसे संसार की झलक देता है, जहां खामोशियां शब्दों से अधिक बोलती हैं—नजरों की भाषा, दबे हुए जज्बात और वे पल, जब प्रेम कहा नहीं, महसूस किया जाता है। समय की विभिन्न परतों में बहती यह कहानी उन फैसलों, जिम्मेदारियों और अनकहे भावों को उजागर करती है, जो जीवन की राह में साथ चलते हैं। 'संगमरमर' एक ऐसे प्रेम की कथा है जो दिखावे की मोहताज नहीं, बल्कि धैर्य, त्याग और इस विश्वास के सहारे कायम रहता है कि कुछ रिश्ते समय के साथ भी नहीं बदलते। 'संगमरमर' जल्द ही, सिर्फ जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।

जियो स्टूडियोज की प्रस्तुति 'संगमरमर', ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित और विक्रम घई द्वारा निर्देशित; राजश्री प्रोडक्शंस (प्रा.) लि. के साथ मिलकर सूरज बड़जात्या की विशिष्ट भावनात्मक कहानी कहने की परंपरा को साकार करती है

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और पुडुचेरी सरकार ने ब्लू इकॉनमी और तटीय लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

(जीएनएस)।

भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) और पुडुचेरी सरकार के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण विभाग ने आज पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश के भीतर समुद्री अनुसंधान, अवसंरचना विकास और ब्लू इकॉनमी की पहलों को आगे बढ़ाने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए।

यह समझौता नई दिल्ली में समुद्री विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन और पुडुचेरी सरकार के मुख्य सचिव डॉ. शरत चौहान द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। यह सहयोग पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और पुडुचेरी के उपराज्यपाल श्री के. कैलाशनाथन के बीच क्षेत्रीय समुद्री प्राथमिकताओं को संबोधित करने के लिए उच्च स्तरीय बैठकों के परिणामस्वरूप हुआ है।

सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्र

इस समझौता ज्ञापन में सतत विकास और जलवायु अनुकूलन को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए गए छह रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक व्यापक ढांचा प्रस्तुत किया गया हैः

सतत समुद्री मत्स्य पालनः गहरे समुद्र में मछली पकड़ने को बढ़ावा देने, समुद्री शैवाल की खेती करने और प्रवासी मार्गों और मछली पकड़ने के क्षेत्रों की पहचान के माध्यम से आजीविका में सुधार करना।

अपतटीय पवन ऊर्जाः पुडुचेरी के ऊर्जा पोर्टफोलियो को नवीकरणीय ऊर्जा की ओर विविधतापूर्ण बनाने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन करना और संपूर्ण तकनीकी सहायता प्रदान करना। खारे पानी को मीठा बनाने की तकनीकेंः तटीय क्षेत्रों में मीठे पानी की कमी के दीर्घकालिक समाधान प्रदान करने के लिए शिक्षा मंत्रालय के तकनीकी सहयोग से समुद्री जल को मीठा बनाने वाले संयंत्रों की स्थापना करना। महासागरीय जलवायु परामर्श एवं वास्तविक समय निगरानीः विश्वसनीय पूवार्नुमान और जलवायु-लचीली योजना के लिए पुडुचेरी में एक समर्पित अवलोकन अवसंरचना की स्थापना। स्थायी तटीय प्रबंधनः तटरेखा की सुरक्षा के लिए विज्ञान आधारित तटरेखा निगरानी और कटाव नियंत्रण उपायों को लागू करना।

समुद्री स्थानिक योजना (एमएसपी): वर्तमान एमएसपी पायलट ढांचे को एक पूर्णतः कार्यात्मक मॉडल में उन्नत करना जो अपतटीय पवन ऊर्जा, संसाधन मानचित्रण और समुद्री क्षेत्रों को एकीकृत करता है।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव डॉ. एम. रविचंद्रन ने कहा, "यह साझेदारी तटीय समुदायों के लाभ के लिए विज्ञान का उपयोग करने की हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है। एमओईएस की तकनीकी विशेषज्ञता को पुडुचेरी की रणनीतिक समुद्री स्थिति के साथ एकीकृत करके, हम न केवल तटीय कटाव और विस्तारित समुद्री सेवाओं जैसी तात्कालिक चुनौतियों का समाधान कर रहे हैं, बल्कि एक मजबूत, टिकाऊ ब्लू इकॉनमी की नींव भी रख रहे हैं। हमारा ध्यान वास्तविक समय जलवायु निगरानी से लेकर उन्नत विलवणीकरण और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के संचालन तक, संपूर्ण सहायता प्रदान करने पर केंद्रित है।"

कार्यान्वयन और वैधता

इन पहलों की सफलता सुनिश्चित करने के लिए, दोनों पक्ष नोडल अधिकारियों की नियुक्ति करेंगे और विशिष्ट परियोजनाओं की देखरेख के लिए संयुक्त कार्य समूह स्थापित करेंगे। समझौता ज्ञापन की प्रारंभिक अवधि पांच वर्ष है, और समय पर कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए प्रगति समीक्षा कम से कम वार्षिक रूप से की जाएगी।

इस कार्यक्रम के दौरान डॉ. एम.वी. रमना मूर्ति (मिशन निदेशक, डीप ओशन मिशन), श्री डी. सेंथिल पांडियन (संयुक्त सचिव, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय), डॉ. विजय कुमार, वैज्ञानिक जी और सलाहकार, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, डॉ. बालाजी रामकृष्णन (निदेशक, राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान), और पुडुचेरी सरकार तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधिकारी भी उपस्थित थे।

भारत मंडपम में भारत बोधन एआई सम्मेलन 2026 का शुभारंभ, राष्ट्रव्यापी शिक्षा और एआई सहयोग के लिए मंच तैयार

सम्मेलन में स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा और कौशल विकास के लिए एआई नवाचारों का प्रदर्शन किया गया

आईआईटी बॉम्बे में विनिर्माण के लिए एक एआई केंद्र स्थापित करने के लिए आईआईटी बॉम्बे और कोलंबिया विश्वविद्यालय के बीच समझौता हुआ

(जीएनएस)।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने आज भारत मंडपम में आयोजित भारत बोधन एआई सम्मेलन 2026 को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में शिक्षा राज्य मंत्री श्री सुकांत मजूमदार भी उपस्थित थे।

श्री प्रधान ने कार्यक्रम के दौरान बोधन एआई उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ किया। यह सम्मेलन भारत के शिक्षा तंत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के एकीकरण को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्कूल शिक्षा और साक्षरता सचिव श्री संजय कुमार, उच्च शिक्षा मंत्रालय (डीओएचई) के सचिव डॉ. विनीत जोशी, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईटीआई) के सचिव श्री एस. कृष्णन, आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामाकोटी, शिक्षा जगत के अग्रणी शिक्षाविदों, शोधकताओं और एआई का उपयोग करने वाले प्रमुख स्टार्टअप के संस्थापकों सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

भारत बोधन एआई सम्मेलन 2026 को एआई-सक्षम शिक्षा में परिदृश्य की खोज, रणनीतिक संरेखण और साझेदारी निर्माण के लिए एक राष्ट्रीय मंच के रूप में परिकल्पित किया गया है।

इसका प्राथमिक उद्देश्य हैः

परिदृश्य की खोज और इकोसिस्टम मानचित्रण को सक्षम बनाना ताकि कमियों और अवसरों की पहचान की जा सके। सरकार, शिक्षा जगत, स्टार्टअप और उद्योग के बीच रणनीतिक साझेदारियों को समर्थन देना।

भारत एडुएआई स्टैक के विकास की शुरूआत करना, यह भारत भर में एआई-संचालित शिक्षण समाधानों के निर्माण, एकीकरण और विस्तार के लिए एक खुला और अंतरसंचालनीय आर्किटेक्चर है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

शीतकालीन धुंध की समस्या पर सम्बंधित विभागों की सामूहिक चर्चा

(जीएनएस)।

लखनऊ में शीतकालीन धुंध की समस्या पर विभिन्न विभागों की सामूहिक चर्चा नगर निगम के सहयोग से स्मार्ट सिटी ऑफिस में आयोजित हुई।

इस चर्चा का आयोजन (चिंतन एनवायरमेंटल रिसर्च एंड एक्शन ग्रुप) और नगर निगम लखनऊ के सहयोग से आयोजित हुआ।

इस चर्चा में उत्तर प्रदेश प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड ,पूर्व वरिष्ठ वन अधिकारी , स्मार्ट सिटी पर्यावरण सलाहकार , एरम यूनानी मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर , नगर निगम के पर्यावरण विभाग और चिकित्सक शामिल हुए सभी ने अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम की शुरूआत डॉ भावना सिंह के स्वागत संबोधन से हुई। डॉ भावना ने बताया इस प्रकार की चर्चा से सभी के द्धारा व्यक्त किये जाने वाले सुझाव से सीखकर समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग के डॉ सूर्यकांत ने कहाँ वायु प्रदूषण में वाहनों से उत्सर्जित होने वाला प्रदूषण चिंता का विषय है। सर्दियों में शुष्क और घनी हवा के कारण एलर्जी अस्थमा के लक्षण बढ़ जाते है। प्रदूषक तत्व इन बीमारियों को और भी घातक बना देते है।

श्री एस. पी. सिंह महाप्रबंधक स्मार्ट सिटी ने कहाँ एयर पॉल्युशन को मॉनिटरिंग सिस्टम से सड़क की धूल कम करने के लिए पानी के छिड़काव बताया। जिससे हवा में ज्यादा धूल ना पहुँच पाए।

श्री संजीव प्रधान पर्यावरण अभियंता लखनऊ नगर निगम ने कहाँ ट्रैफिक जाम ,कचरा प्रबंधन, निर्माण गतिविधिया चुनौती है। इन पर कार्य किया जा रहा है।

प्रदीप शर्मा ने व्रक्ष रोपण उपयोगी है । लेकिन शहरीकरण की बेहतर और योजनाबद्ध प्रकिर्या ज्यादा आवश्यक है।

वही अ-ढअऋटीम के विनय सिंह ने कचरा जलाना और धूल को प्रमुख समस्या बताया। उन्होंने स्मार्ट सिटी वेबसाइट पर ई शिकायत के लिए टोल फ्री नम्बर 1533 पर शिकायत और समाधान के विषय पर भी जानकारी दी।

डॉ शैलेन्द्र प्रोफेसर पर्यावरण ने वैज्ञानिक शोध जनजागरूकता पर जोर देते हुए बताया वायु प्रदूषण से गर्भपात की दर बढ़ने के संकेत शोध में सामने आ रहे है। बेहतर अदक के लिए पर्यावरण दृष्टिकोण हरित वातावरण बढ़ाने के लिए बताया।

गौरव कुमार नगर आयुक्त लखनऊ नगर निगम ने व्रक्षरोपण 1000 ईवी एन्टी स्मोग गन , धूल नियंत्रण के लिए किये जा रहे कार्यो पर बताया और साथ इस तरह के आयोजन की सराहना की स्वच्छ वातावरण के लिए ऐसी वार्ता महत्वपूर्ण होती है ।

स्वच्छता हेतु सम्बंधित विभाग और संघठन तो कार्यरत है परंतु इस दिशा में जनता को भी सहयोग करना चाहिए। जिस तरह अपने घर साफ रखते है इसी तरह समाज को भी साफ रखने में यदि थोड़ा भी सहयोग देदे। तो देश प्रदेश के वातावरण में काफी बदलाव लाया जा सकता है।

वार्षिकोत्सव पर हुआ इंटर के विद्यार्थियों का विदाई सम्मान समारोह

(जीएनएस)।

फतेहपुर। ऐरायां ब्लॉक क्षेत्र के उमरपुर गौंती गांव स्थित रामविशाल सिंह रामधनी देवी इंटर कॉलेज में गुरुवार को वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इंटर के विद्यार्थियों का विदाई सम्मान समारोह किया गया।

कार्यक्रम के पहले विद्यालय परिसर से प्रेमनगर तक यातायात जन जागरूकता की रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। तत्पश्चात प्रबंधक वीरेंद्र सिंह यादव द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित तथा अगरबत्ती जलाकर सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू किये गए। स्कूल के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, डांस तथा नाटकों के माध्यम से जागरूक किया गया।

कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात इंटर के छात्र-छात्राओं को भावभीनी विदाई दी गई। विदाई में बच्चों के चेहरों में मायूसी छै रही। विद्यालय प्रबंधक वीरेंद्र सिंह यादव ने कहाकि विदाई किसी की हो इस दौरान सभी की आंखे भर आती हैं। उन्होंने संबोधित करते हुए विद्यार्थियों से कहाकि विदाई के बाद भी उनके के लिए दरवाजे खुले रहेंगे कभी भी विद्यालय आकर किसी भी तरह की शिक्षा से जुड़ी जानकारी ले सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानचार्य मुख्तार अस्करी ने की, उन्होंने सफल हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान प्रतिनिधि नरेंद्र सिंह यादव, व्यापार मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह उर्फ मुन्ना गौतम, पूर्व प्रधान रामसिंह, मोतीलाल सिंह, राजेन्द्र मौर्य, डॉ. लालचंद्र पाल, सोनू मोदनवाल सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

पुलिस की बोली लगाने वाले रीलबाज को पुलिस ने दबोचा

पुलिस की गिरफ्त में आते ही माफी मांगता दिखा रीलबाज शातिर

-रीलबाज के पास से अवैध हथियार भी हुआ बरामद

मथुरा (जीएनएस)। सोशल मीडिया पर पुलिस को खरीदने वाले रीलबाज को गोवर्धन पुलिस ने अवैध हथियार समेत दबोच लिया। पकड़े गए रीलबाज ने इंस्टाग्राम पर हवलदार की 1 हजार, 10 हजार में इंस्पेक्टर और एक लाख रुपए में पूरे पुलिस स्टेशन की खरीदने का वीडियो वायरल करके पुलिस महकमें को बदनाम कर दिया था। वीडियो वायरल होते ही एसएसपी श्लोक कुमार ने रीलबाज शातिर को पकड़ने के लिए पुलिस टीम गठित कर दी थीं। उसी समय से थाना प्रभारी गोवर्धन भगवत सिंह गुर्जर पुलिस टीम के साथ पुलिस टीम के साथ रीलबाज शातिर को दबोचने के लिए दबिशें दे रहे थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि सोशल मीडिया पर पुलिस की बोली लगाने वाला शातिर रीलबाज गांठौली-देवसेरस माइनर के पास खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी भगवत सिंह गुर्जर और एसआई गौरव शर्मा पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस की गाड़ी को देखते ही रीलबाज युवक भागने लगा। पुलिस टीम ने शातिर रीलबाज रोबिन पुत्र रईश निवासी गांव देवसेरस थाना गोवर्धन को घेरकर दबोच लिया। पुलिस ने रीलबाज युवक की तलाशी ली तो उसके पास से एक तमंचा और कारतूस भी बरामद हुए हैं। पुलिस ने पकड़े गए रीलबाज युवक की मरम्मत की तो वह थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों से माफी मांगने लगा। पुलिस महकमें की बोली लगाने वाले रीलबाज द्वारा थाने में हाथ जोड़कर मांगने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गोवर्धन पुलिस ने सख्त कार्रवाई करके ऐसे रीलबाज युवकों को साफ संदेश दिया है कि अगर किसी ने पुलिस विभाग की छवि खराब की तो इसी प्रकार कठोर कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

निशीथ व्यापिनी चतुर्दशी में मनाई जाएगी महाशिवरात्रि : चार ग्रहों की युति में मनाया जाएगा महाशिवरात्रि पर्व

मथुरा (जीएनएस)। फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 15 फरवरी (रविवार) को सायं 5 बजकर 4 मिनट से प्रारंभ होकर 16 फरवरी सोमवार सायं 5 बजकर 34 मिनट तक रहेगी। 15 फरवरी को संपूर्ण रात्रि निशीथ व्यापिनी चतुर्दशी तिथि रहने के कारण भारतवर्ष में 15 फरवरी को ही महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाएगा। इस संबंध में दीपक ज्योतिष भागवत संस्थान द्वारा आयोजित गोष्ठी में संस्थान के निदेशक ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वरनाथ चतुवेर्दी ने कहा कि सूर्य, बुध, शुक्र और राहु चार ग्रहों की युति में महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को सांय 5.04 बजे से अगले दिन प्रातः 5.23 तक भद्रा योग रहेगा। ज्योतिषियों के अनुसार इस बार भद्रा पाताल लोक में होने के कारण उसका पृथ्वी पर असर नहीं पड़ेगा। इस मौके पर गोष्ठी में संस्कृत भारती मथुरा अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने कहा कि चतुर्दशी तिथि के स्वामी स्वयं देवाधिदेव महादेव हैं, अतः महाशिवरात्रि पर्व पर शंकर जी का रुद्राभिषेक, पूजा-अर्चना एवं रात्रि जागरण करने से परिवार में सुख समृद्धि, ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। वहीं नारायण प्रसाद शर्मा एवं शरद साहित्याचार्य ने बताया कि कोटिरुद्र संहिता एवं ईशान संहिता के अनुसार फाल्गुन कृष्ण पक्ष त्रयोदशी के उपरांत चतुर्दशी तिथि को रात्रि में महादेव शिवलिंग के रूप में अवतरित हुए थे, जिसमें करोड़ों सूर्य के समान तेज बताया गया है। गोष्ठी में ज्योतिषाचार्य पंडित दीपक चतुवेर्दी एवं आचार्य पंकज ने कहा कि भोलेनाथ के पूजन में दूध, दही, घी, शहद, शर्करा से पंचामृत अभिषेक करें तथा संभव हो सके तो गंगाजल से स्नान कराएं, फिर चन्दन, रोली, अक्षत, बेलपत्र, धतूरा समेत नाना प्रकार के सुगंधित पुष्प अर्पित करें, धूप, दीप कर फल व मिष्ठान का भोग लगाएं एवं अंत में कपूर से आरती करें व पुष्पांजलि करें और शिव स्तुति करें, इससे भगवान शिव प्रसन्न होंगे। इस मौके पर सौरभ शास्त्री, ऋषभ देव, गोविंद देव, मनोज पाठक, मनीष पाठक, निरंजन शास्त्री और प्रियांशु आदि ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिवरात्रि पर्व पर व्रत रखने से मन शुद्ध होता है, अतः भगवान शंकर की श्रद्धा व भक्ति के साथ वैदिक विधि-विधान से पूजन व अभिषेक करें, जिससे परिवार में वैभव की प्राप्ति होगी।

ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस ए आई यू टी सी द्वारा वर्ल्ड यूनानी मेडिसिन डे का आयोजन

लखनऊ 12 फरवरी आज ऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस ए आई यू टी सी द्वारा वर्ल्ड यूनानी मेडिसिन डे का आयोजन रविंद्रालय लखनऊ में किया गया। प्रसिद्ध हकीम अजमल खान की बर्थ एनिवर्सरी के रूप में यूनानी मेडिसिन डे मनाया जाता है एआईयूडीसी के अध्यक्ष प्रोफेसर मुश्ताक अहमद ने बताया कि आज लोगों के अंदर यूनानी इलाज के प्रति बहुत जागरूकता आई है ।कार्यक्रम में मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने भरोसे के 30 साल रेक्स रेमेडीज लिमिटेड की ओर से प्रकाशित मैगजीन का विमोचन किया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्यो के लिए हकीम अजमल

खान फामेर्सी अवार्ड डॉक्टर हामिद सिद्दीकी डायरेक्टर नेशनल लैबोरेट्रीज, श्री कमर अशरफ डायरेक्टर हर्बल रेमेडीज और जनाब जावेद अली डायरेक्टर शाही लैबोरेट्रीज को प्रदान किया गया। इस मौके पर यूनानी दवाएं बनाने वाली बहुत सारी कंपनियों ने अपने स्टाल भी लगाए

हरियाणा में बिजली निगमों की वित्तीय स्थिति पर आप ने उठाए सवाल, सुधार और पारदर्शिता की मांग

(जीएनएस)।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने हरियाणा के बिजली क्षेत्र की वित्तीय स्थिति को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार हरियाणा राज्य के बिजली वितरण निगमों पर ₹27,915 करोड़ का संचित घाटा है और कुल उधारी ₹20,311 करोड़ तक पहुंच चुकी है। उनका कहना है कि ये आंकड़े संकेत देते हैं कि बिजली क्षेत्र में व्यापक वित्तीय सुधार की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में आम उपभोक्ता महंगे टैरिफ, फिक्स्ड चार्ज और बढ़ते बिजली बिलों से प्रभावित हो रहा है। ऐसे में जरूरी है कि बिजली व्यवस्था को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए ठोस और पारदर्शी कदम उठाए जाएं, ताकि उपभोक्ताओं को राहत मिल सके और भविष्य में वित्तीय बोझ कम हो।

ढांडा ने पंजाब का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2024-25 में ₹2600 करोड़ का लाभ दर्ज किया है। साथ ही राष्ट्रीय रैंकिंग में ढरढउछ को अ+ ग्रेड के साथ दूसरा स्थान मिला है। उनके अनुसार यह दशार्ता है कि बेहतर प्रबंधन और स्पष्ट नीति से बिजली क्षेत्र को मजबूत किया जा सकता है।

उन्होंने "रोशन पंजाब मिशन" का जिक्र करते हुए कहा कि 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की योजना से पंजाब में 90 प्रतिशत से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को राहत मिली है। उनका कहना है कि जनहितकारी योजनाओं के साथ वित्तीय अनुशासन भी संभव है, यदि नीति और क्रियान्वयन स्पष्ट हो।

आम आदमी पार्टी ने मांग की है कि हरियाणा सरकार बिजली निगमों की वित्तीय स्थिति पर एक श्वेत पत्र जारी करे, ताकि जनता के सामने पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सके। ढांडा ने कहा कि पारदर्शिता और जवाबदेही से ही

लेक्स कार्निवल के 5वें संस्करण का सफल आयोजन किया गया

लखनऊ, एमिटी लॉ स्कूल, एमिटी यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश, लखनऊ परिसर द्वारा वार्षिक विधि उत्सव लेक्स कार्निवल के 5वें संस्करण का सफल आयोजन किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (NLUs), दिल्ली विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय तथा इलाहाबाद (NIIT) सहित देश भर के विभिन्न महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अनिल कुमार सिंह, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक (सिक्योरिटी), लखनऊ रहे। आयोजन प्रो. (डॉ.) अनिल वशिष्ठ, प्रो-वाइस चांसलर तथा प्रो. (डॉ.) तपन कुमार चंदोला, निदेशक, एमिटी लॉ स्कूल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन मास्टर ऑफ सेरेमनी के रूप में एमिटी लॉ स्कूल के द्वितीय वर्ष के बी.ए. एलएल.बी. छात्र श्री दिव्यांश सिंह द्वारा किया गया। लेक्स कार्निवल के अंतर्गत लीगल मैक्सिम बी, जजमेंट राइटिंग प्रतियोगिता, स्किट प्रतियोगिता, हिट द बज तथा नो योर रोल जैसे पाँच प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिभागियों ने विधिक ज्ञान, विश्लेषणात्मक क्षमता एवं रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।आयोजन की सफलता में फैकल्टी कन्वीनर्स डॉ. रेशमा उमैर, डॉ. मालोबिका बोस तथा डॉ. अनुप्रिया यादव के मार्गदर्शन, सहयोग एवं मेंटरशिप के लिए विशेष आभार व्यक्त किया गया।

पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ सड़क पर उतरे मीडिया कर्मी

कौशाम्बी जनपद में बढ़ते पत्रकार उत्पीड़न के विरोध में मंगलवार को पत्रकारों ने मंझनपुर ज़िला पंचायत स्थित चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया और नारेबाजी की, साथी पत्रकार इश्तियाक को न्याय दिलाने की मांग उठाई।

पत्रकारों का आरोप है कि संदीपन घाट थाना क्षेत्र में हुई एक मारपीट की घटना में इश्तियाक को साजिशन फंसाया गया है। बताया जा रहा है कि घटना के समय इश्तियाक एक शादी समारोह में शामिल थे, लेकिन इसके बावजूद उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया। पत्रकारों का कहना है कि यह कार्रवाई द्वेषपूर्ण है और उन्हें जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

प्रदर्शन कर रहे पत्रकारों ने चेतावनी दी कि यदि इश्तियाक को जेल भेजा गया तो जिलेभर के पत्रकार धरने पर बैठने को मजबूर होंगे। उन्होंने निष्पक्ष जांच और मुकदमे की समीक्षा की मांग की है।

फिलहाल प्रशासन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन पत्रकार संगठनों ने साफ कर दिया है कि न्याय मिलने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

विकास या विनाश ? मुख्यमंत्री की तकनीक पर भारी अधिकारियों का पुराना रसूख, यहियागंज में जहाँ एलडीए की कलम बिल्डर के नोटों की गुलाम है!

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी का यहियागंज इलाका इन दिनों इंजीनियरिंग का अद्भुत नमूना पेश कर रहा है। यहाँ सड़कों पर गाड़ियाँ नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की नींव पर खड़ी इमारतें दौड़ रही हैं। लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन-7 में विकास की ऐसी गंगा बह रही है कि नियम-कायदे उसमें बहकर न जाने किस नाले में विलीन हो चुके हैं।

यहियागंज का मायाजाल, जहाँ कानून झुकता है और बिल्डर थिरकता है,

कहते हैं कि न्याय अंधा होता है, लेकिन यहाँ तो लगता है कि प्रशासन ने अपनी आँखों पर नोटों की पट्टी बाँध ली है। क्षेत्र के बिल्डरों का रसूख ऐसा कि सीलिंग की गई इमारतें रातों-रात "ऐतिहासिक धरोहर" की तरह सज-धज कर तैयार हो जाती हैं। ध्वस्तिकरण के आदेश यहाँ महज कागजी रद्दी हैं, जिनका उपयोग शायद दफ्तरों में समोसे रखने के लिए किया जाता होगा।

चचाओं के केंद्र में हैं सहायक अभियंता संजय शुक्ला जी। इनके बारे में दो तरह की जनश्रुतियाँ प्रचलित हैं। कुछ इन्हें ईश्वर का रूप मानते हैं, क्योंकि ईश्वर की तरह ये भी साधारण पीड़ितों को आसानी से दर्शन नहीं देते। दफ्तर से नदारद रहना इनकी कार्यशैली का हिस्सा है, लेकिन जैसे ही किसी बिल्डर की मुराद जागती है, साहिब प्रकट हो जाते हैं।

कमाल देखिए, जहाँ एक तरफ पूर्व वीसी ने इन्हें जेल भेजने की चेतावनी दी थी, वहीं वर्तमान व्यवस्था में इनकी प्रेरणादायक कार्यशैली को देखकर इन्हें सम्मानित किया जा रहा है। शायद यह सम्मान इस बात के लिए है कि कैसे घनी आबादी वाले यहियागंज को और अधिक घुटन भरा बनाया जाए!

सिद्धार्थ नाथ मंदिर रोड पर बन रही नई मार्केट इस भ्रष्टाचार का जीता-जागता स्मारक है। जब दुनिया जाम से जूझ रही होती है, तब हमारे अधिकारी और बिल्डर साथ बैठकर प्रगति की रणनीतियां बना रहे होते हैं।

बिल्डर दे रहा है, अधिकारी ले रहा है, और जनता झेल रही है,

शिकायत की तो बदनामी पक्की, यदि कोई सिरफिरा नागरिक जनहित में आवाज उठाने की जहमत उठाता है, तो उसे सुधारने का तरीका भी अधिकारियों ने खोज लिया है। उसे धमकाया जाता है कि शिकायत की तो तुम्हें ही बदनाम कर देंगे। गजब का तंत्र है, भ्रष्टाचार करने वाला सम्मानित और शिकायत करने वाला अपराधी।

मुख्यमंत्री जी भले ही तकनीक और ईमानदारी की बात करें, लेकिन जमीन पर बैठे ये महारथी उनकी हर योजना को मटियामेट करने में माहिर हैं। अब देखना यह है कि यह निर्माण की आंधी भ्रष्टाचार की जड़ें और कितनी गहरी करती है या फिर शासन की नींद कभी टूटेगी भी?

शादी समारोह में फायरिंग करके दहशत फैलाने वाला शातिर गिरफ्तार : अवैध पिस्टल हुई बरामद

मथुरा (जीएनएस)। थाना बल्देव क्षेत्र स्थित एक मैरिज होम में फायरिंग करके दहशत फैलाने वाले शातिर को पुलिस ने अवैध पिस्टल समेत दबोच लिया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी बल्देव पुष्पेन्द्र कुमार और एसएसआई वीर सिंह यादव पुलिस टीम के साथ वांछित अपराधियों की तलाश में जुटे हुए थे। उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि अवैरनी के पास अभि मैरिज होम में डीजे पर गाना बजाने को लेकर हुए विवाद के दौरान फायरिंग करके शादी समारोह में दहशत फैलाने वाला शातिर हनुमान तिराहा के निकट बिजली घर के सामने खड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र कुमार और एसएसआई वीर सिंह यादव पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर

भागने का प्रयास कर रहे शातिर गोविन्द पुत्र कैलाश निवासी कैलाश नगर थाना जैंत, मथुरा को पुलिस टीम ने घेराबंदी करके दबोच लिया। पुलिस ने पकड़े गए शातिर के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक अवैध पिस्टल और कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करके जेल भेज दिया है।

सीएम योगी ने दिया ब्रह्मोस संग 'हार्ड पावर' विजन

मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बदली कवर इमेज

अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश करने वाली सरकार के मुखिया ने दिया 'नए यूपी' का संकेत

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश करने वाली सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने 'नए यूपी' की बढ़ती ताकत का संकेत दिया। बजट 2026-27 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कवर इमेज बदल दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस संग

अपनी फोटो लगाकर 'हार्ड पावर' विजनह्व का संदेश दिया सोशल मीडिया हैंडल पर मुख्यमंत्री का यह संदेश बताता है कि लखनऊ में ब्रह्मोस निर्माण के जरिए उत्तर प्रदेश एक तरफ रक्षा उत्पादन का उभरता वैश्विक हब हो गया है। वहीं दूसरी ओर 9.12 लाख करोड़ का बजट और सामरिक शक्ति के संगम का भी संकेत प्रदेशवासियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। बजट के जरिए सीएम योगी ने संदेश दिया कि यूपी की अर्थव्यवस्था फर्श से अर्श तक पहुंच गई है जो यूपी के विकास, सुरक्षा और निवेश के त्रिवेणी मॉडल को प्रदर्शित करता है। योगी का यह सुपरसोनिक केसरिया' संदेश बताता है कि उत्तर प्रदेश विकास का इंजन और प्रदेशवासियों की सुरक्षा का कवच भी बन गया है।

ग्रामीण खुले मे शौच करने के लिए मजबूर

सामुदायिक शौचालय पर बीते कई महीनो से ताला लटक रहा

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। आजीविका मिशन के तहत ग्राम पंचायत सेमरी मे गठित लक्ष्मी स्वय सहायता समूह के अध्यक्ष एव सचिव के बींच छिड़ी जंग के चलते गांव के सामुदायिक शौचालय पर बीते कई महीनो से ताला लटक रहा है और ग्रामीण खुले मे शौच करने के लिए मजबूर है। केयर टेकर के रूप मे कार्य करने वाली समूह की सचिव को करीब 9 महीने का मानदेय बकाया है।

बताते चले कि विकास खण्ड मसौली की ग्राम पंचायत सेमरी मे गठित लक्ष्मी स्वय सहायता समूह की अध्यक्ष गायत्री यादव व सचिव नीलम रावत के बींच छिड़ी जंग का खामियाजा ग्रामीण भुगत रहे है बर्खास्त ब्लाक मिशन मैनेजर जितेंद्र पटेल की शह पर समूह अध्यक्ष गायत्री यादव ने बगैर कोई सूचना के समूह की बैठक कर सचिव नीलम रावत को समूह से बाहर करते हुए अपनी सास को समूह का सचिव बना दिया जो नियमतः गलत है। सामुदायिक शौचालय के साफ सफाई के रूप मे कार्य करने वाली केयर टेकर नीलम रावत को बीते 9 माह का बकाया मानदेय नहीं मिला है। पीड़िता ने ग्राम प्रधान से लेकर ब्लाक मुख्यालय तक तमाम चक्कर लगाने के बाद भी आज तक बकाये मानदेय का भुगतान नहीं हो पाया है।

जालसाजी कर खाते से निकाले 36 हजार

लक्ष्मी स्वय सहायता समूह की अध्यक्ष गायत्री यादव ने समूह की सचिव नीलम को बगैर कोई नोटिस दिये ब्लाक मिशन प्रबंधक जितेंद्र पटेल से सांठगांठ कर फर्जी प्रस्ताव बनाकर अपनी सास को समूह का सचिव बनाकर सास के साथ मिलकर समूह से जुड़ी महिलाओं का 36 हजार रुपये निकाल लिये जिसकी शिकायत नीलम ने खण्ड विकास अधिकारी मसौली से की है।

आदेश के बाद भी नहीं जाँच

बकाये मानदेय को लेकर गत नवम्बर मे केयर टेकर नीलम ने खण्ड विकास अधिकारी मसौली को पत्र दिया खण्ड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव ने केयर टेकर के मानदेय भुगतान को लेकर सहायक विकास अधिकारी आई एस बी मदन गोपाल कनौजिया, ब्लाक मिशन मैनेजर जितेंद्र पटेल व ग्राम विकास अधिकारी अजय कुमार वर्मा को नमित किया था लेकिन कोर्ट की तरह बीते 3 माह से तारीख पर तारीख दी जा रही है जिससे केयर टेकर काफी हताश व परेशान है।

कथावाचक रंजीतानंद महराज ने भगवान एव माता पार्वती के संवाद की कथा सुनाते हुए

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। ग्राम गोडवा गवारी स्थित आदि शक्ति दुर्गा मंदिर पर चल रही 5 दिवसीय श्रीराम कथा के दूसरे दिन कथावाचक रंजीतानंद महराज ने भगवान एव माता पार्वती के संवाद की कथा सुनाते हुए भक्तो को भाव विभोर कर दिया कथा मे भजनों की धुन पर श्रद्धालु जमकर थिरके।

कथावाचक रंजीतानंद महराज ने कहा कि नारद ने पार्वती के माता पिता से कहा कि आपकी कन्या का विवाह किसी बेघर, बेरुप आदमी से होगा। यह सुनकर पार्वती के माता पिता चिंतित हो गए और योग्य वर प्राप्त होने का उपाय पूछा। जिसपर नारद ने तपस्या का सुझाव दिया। पार्वती घोर तप से शिव को ही पति के रूप में मांग लेती हैं।

कथा वाचक रंजीतानंद ने कहा कि भगवान शिव जब पार्वती को अमर कथा सुना रहे थे, तब एक तोता हुंकारी भरता था. शिव ने त्रिशूल से उसका पीछा किया तो वह भागकर वेदव्यास के आश्रम में घुस गया और उनकी पत्नी के गर्भ में छिप गया, जहां वह 12 साल तक रहा. श्रीकृष्ण के आश्वासन के बाद वह गर्भ से बाहर निकला. जन्मते ही वह संसार से विरक्त होकर वन की ओर भागा, लेकिन श्रीव्यासजी के बार-बार कहने पर वह श्रीमद्भागवत कथा का ज्ञान अर्जित किया और राजा परीक्षित को भागवत सुनाई ।

इस मौके पर पुजारी रामपाल, संतोष सागर, देशराज, विश्वनाथ, अमनराज, छोटेलाल, अजय मिश्रा, श्याम सुंदर, राजेश नरायण, मोनू रावत, कल्लू प्रसाद सहित तमाम महिला एव पुरुष भक्तगण मौजूद रहे।

आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर एक कार अनियंत्रित होकर आगे चल रही डीसीएम से टकराता

(जीएनएस)।

लखनऊ। उन्नाव के बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक कार अनियंत्रित होकर आगे चल रही डीसीएम से टकरा गई। इस हादसे में कार में सवार सात लोग घायल हो गए, जिनमें से पांच को गंभीर चोटें आई हैं। यह घटना एक्सप्रेसवे पर किलोमीटर संख्या 231 के पास हुई। सूचना मिलने पर यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची और कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी घायलों को नजदीकी बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद पांच गंभीर रूप से घायल लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया

गया है। दो अन्य लोगों को मामूली चोटें आई हैं। मिली जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी लोग एटा जिले के थाना सदर कोतवाली क्षेत्र के उदितपुर गांव के निवासी हैं। अवनीश कुमार (19), संगीता (18), भूपेंद्र (28), हकीम सिंह (34) और आशुतोष (28) लखनऊ गए थे और दो अन्य लोगों के साथ वापस अपने घर लौट रहे थे। यह दुर्घटना देवखरी चौकी के निकट हुई जहां लखनऊ से आगरा की ओर जा रही अर्टिगा कार का अगला हिस्सा अनियंत्रित होकर डीसीएम के पिछले हिस्से में घुस गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पुलिस ने घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

एक सप्ताह पूर्व दबँगो द्वारा दलित युवक की खुलेआम पिटाई

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। एक सप्ताह पूर्व दबँगो द्वारा दलित युवक की खुलेआम पिटाई के बाद दस हजार की नगदी छीनने की घटना पर सफदरगंज पुलिस द्वारा कार्यवाही न किये जाने से पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम सैदनपुर निवासी दलित पप्पू रावत पुत्र सुरेश रावत गत 4 फरवरी की दोपहर करीब 2 बजे अपनी मोटरसाइकिल से गणेशपुर से प्यारेपुर जा रहा था ग्राम जमलापुर के निकट बैसुवा बाग के निकट जमलापुर निवासी सियाराम अपने दो अन्य साथियो के साथ नहर पर रोक लिया और माँ बहन की जातिसूचक गलिया देते हुए लात घूँसो एव डंडो से जमकर पिटाई कर दी तथा पास मे रखी 10 हजार की नगदी छीन ली पीड़ित के शोर मचाने पर दबँग ऐलानिया धमकी देते हुए फरार हो गये। पीड़ित ने उसी दिन थाना सफदरगंज मे मारपीट एव रुपये छीनने की तहरीर दी लेकिन दबँग अपराधिक एव वन माफिया होने के कारण पुलिस ने आज तक कोई कार्यवाही नहीं की बुधवार को पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगायी है।

मेयर प्रत्याशी रवि केसरी ने धूमधाम से किया चुनाव कार्यालय का शुभ उद्घाटन

(जीएनएस)।

लखनऊ। देवघर के स्थानीय बैधनाथधाम रेलवे स्टेशन रोड अवस्थित होटल न्यू ग्रेन्ड परिसर में मेयर प्रत्याशी रवि केसरी ने शहर में मुख्य चुनाव कार्यालय का विधिवत उद् घाटन किया। मौके पर रवि केसरी ने कहा कि हमें जनता का अपार जन समर्थन मिल रहा है जो जन सेवा, विकास और सकारात्मक

बदलाव का संकेत है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह हमारे सकारात्मक सोंच, उत्साह और ऊर्जा को बढ़ायेंगा। मौके पर भारी संख्या में समाजसेवी, नगरवासी, गणमान्य लोग और मिडिया पत्रकार बन्धु मौजूद थे। केसरी ने देवघर नगरनिगम के देवतुल्य मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

सरकारी रोड बनवाने के लिए भाकियू क्रांति ने की किसान पंचायत दिया ज्ञापन

(जीएनएस)।

लखनऊ। हरदोई के शाहाबाद की तहसील के अंतर्गत ग्राम पंचायत ऐगवां में भारतीय किसान यूनियन क्रांति के जिलाध्यक्ष सत्यवीर सिंह ने कई सालों से टूटा पड़ा सरकारी रोड ,चकरोड बनवाने के लिए एक किसान पंचायत रखी जिसमें बिंदु रहे कि आरसीएल कंपनी के द्वारा किसानों के खेत तक जाने के लिए सरकारी चकरोड की मिट्टी खोद ली और नाली भी गायब कर दी और इसी ग्राम में रेल विभाग ने ग्रामीणों की रास्ता बंद कर दी अब वर्तमान में किसानों को निकलने में दिक्कत उठानी पड़ती है सरकारी रास्ता की नाप कराकर बनवाई जाये आदि समस्या को लेकर जिलाधिकारी सम्बोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार संतोष कुमार कुशवाह को दिया जिस समय भारतीय किसान

यूनियन क्रांति के अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष सोनू खा, जिला अध्यक्ष पश्चिम अनुराग यादव, पि० वर्ग जिला अध्यक्ष रविश कुमार, तहसील अध्यक्ष गोलू कुमार, ब्लाक अध्यक्ष अतुल, ब्लाकअध्यक्ष टोडरपुर अवनीश कुमार, सचिव रोविल सैकडो किसान मौजूद रहे।

छप्पर का सुधार कर रही महिला छप्पर सहित नीचे गिरकर गंभीर रूप से घायल, सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर

(जीएनएस)।

लखनऊ। उन्नाव बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक महिला छत से चढ़कर अपने घर में छपर का सुधार कर रही थी इसी दौरान अचानक पूरा छप्पर नीचे गिर गया जिससे छप्पर के नीचे महिला दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई परिजन बिना देरी करते हुए घायल महिला को सीएचसी बांगरमऊ लेकर पहुंचे जहां पर मौजूद चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला

अस्पताल रेफर कर दिया मेरी जानकारी के अनुसार बंगाराम कोतवाली क्षेत्र के पलिया गांव निवासी लक्ष्मीपति प्रकाश उम्र 52 वर्ष आज बुधवार दोपहर लगभग 1:00 बजे छपर का सुधार करने के लिए छत पर चढ़ी थी जैसे ही वह छप्पर पर खड़ी हुई इसी बीच छप्पर नीचे गिर गया और उसके नीचे महिला दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई चीख पुकार सुन परिजन तुरंत छप्पर के नीचे दबी महिला को बाहर निकाला और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लेकर पहुंचे जहां पर मौजूद चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

वित्तीय वर्ष 2026-27 का ऐतिहासिक बजटः सर्वांगीण विकास की मजबूत नींव

यह नए उत्तर प्रदेश की परिकल्पना को साकार करने वाला बजटः मंत्री ए के शर्मा

(जीएनएस)।

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने उत्तर प्रदेश बजट 2026झ2027 पास होने के अवसर पर कहा कि यह बजट 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्व के संकल्प को आगे बढ़ाने वाला है। इसमें किसान, महिला, युवा, श्रमिक और समाज के हर वर्ग के हितों का विशेष ध्यान रखा गया है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तुत वित्तीय वर्ष 2026झ27 का बजट प्रदेश के विकास इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ने वाला है। कुल 912696.35 करोड़ रुपए का यह बजट पिछले वर्ष की तुलना में 12.09 प्रतिशत अधिक है, जो प्रदेश सरकार की विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है। यह बजट उत्तर प्रदेश को देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। ऊर्जा क्षेत्र की योजनाओं के लिए 65,926 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है, जो प्रदेश में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। वर्ष 2025झ26 में दिसम्बर 2025 तक ग्रामीण क्षेत्रों में औसतन 19 घंटे, तहसील मुख्यालयों में 21 घंटे 49 मिनट तथा जनपद मुख्यालयों में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराई गई है जो प्रदेश की ऊर्जा क्षमता में हुए व्यापक सुधार का प्रमाण है। 01 अप्रैल 2022 से दिसम्बर 2025 तक कुल 2,41,088 निजी नलकूप संयोजन निर्गत किए गए हैं, जबकि वर्ष 2017झ18 से सामान्य योजना के अंतर्गत 1,66,135 संयोजन जारी किए जा चुके हैं। यह किसानों की आय बढ़ाने और सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश में 2,410 नये 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्रों का निर्माण एवं क्षमता वृद्धि की गई है। साथ ही 20,924 नये वितरण ट्रांसफॉर्मर स्थापित किए गए तथा 85,684 ट्रांसफॉर्मरों की क्षमता वृद्धि की गई है, जिससे ओवरलोडिंग की समस्या में उल्लेखनीय कमी आई है अतिरिक्त ऊर्जा स्रोतों के विकास हेतु 2,104 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। पीएम कुसुम सूर्यघर योजना के लिए 1,500 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। अयोध्या एवं मथुरा सहित 17 नगर निगमों को सोलर सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा

है। ग्रामीण क्षेत्रों में अब तक लगभग 5.20 लाख सोलर स्ट्रीट लाइटें स्थापित की जा चुकी हैं। जैव ऊर्जा के क्षेत्र में भी उत्तर प्रदेश अग्रणी है, जहाँ राज्य जैव नीति-2022 के अंतर्गत 36 सीबीजी संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। आवास एवं शहरी नियोजन के लिए 7,705 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नये शहर प्रोत्साहन योजना हेतु 3,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे आधुनिक एवं सुव्यवस्थित शहरों का विकास होगा। काशी-विंध्य क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण तथा प्रयागराज-चित्रकूट क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण के गठन की पहल क्षेत्रीय संतुलित विकास को नई दिशा देगी। रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के अंतर्गत दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत ट्रेन का संचालन प्रारम्भ होना प्रदेश के लिए गर्व का विषय है लखनऊ विकास क्षेत्र एवं अन्य विकास प्राधिकरणों के अवसंरचना कार्यों हेतु 800 करोड़ रुपये तथा मेरठ, मथुरा-वृन्दावन एवं कानपुर विकास प्राधिकरण के लिए 750 करोड़ रुपये की नई योजना प्रस्तावित है। सिटी इकोनॉमिक रीजन के लिए 100 करोड़ रुपये तथा अयोध्या के सर्वांगीण विकास हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के निर्माण एवं उसके अनुरक्षण हेतु 50 करोड़ रुपये के कॉर्पस फंड की भी व्यवस्था की गई है।नगर विकास के लिए लगभग 26,514 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गई है। वर्ष 2017 के उपरांत प्रदेश में 113 नये नगरीय निकाय गठित किए गए तथा 127 निकायों का सीमा विस्तार किया गया है, जिससे शहरीकरण को सुव्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) 1.0 के अंतर्गत 189 नगरीय निकायों में 1,100 ब्लॉकों में पब्लिक/कम्युनिटी/पिंक टॉयलेट का निर्माण किया गया है, जिससे विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा एवं गरिमा सुनिश्चित हुई है स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत प्रदेश के 10 शहरों—लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, आगरा, अलीगढ़, बरेली, झांसी, सहारनपुर एवं मुरादाबाद का चयन किया गया है। साथ ही राज्य सरकार ने 7 अन्य नगर निगमों अयोध्या, फिरोजाबाद, गोरखपुर, गाजियाबाद, मथुरा-वृन्दावन, मेरठ एवं शाहजहाँपुर को राज्य स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने की अभिनव पहल की है। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा ने कहा कि यह बजट 'नए उत्तर प्रदेशह्व की परिकल्पना को साकार करने वाला बजट है। ऊर्जा, आवास, शहरी विकास और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में किए गए ये प्रावधान प्रदेश को आत्मनिर्भर, आधुनिक और समृद्ध बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे।

बदहाल सड़क को लेकर भारत परिषद का आक्रोश

एस. डी. एम. बीसलपुर व डी. एम. पीलीभीत को सौंपा ज्ञापन, एक सप्ताह में मरम्मत न होने पर आंदोलन की चेतावनी

(जीएनएस)।

बीसलपुर। पांच माह पूर्व आई बाढ़ एवं लगातार हुई बारिश के कारण बीसलपुर से शाहजहांपुर रोड पर खनंका पुल तक सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। जगह-जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं तथा कई स्थानों पर सड़क उखड़ गई है। इसके बावजूद लोक निर्माण विभाग (पी. डब्लू. डी.) द्वारा अब तक मरम्मत कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, जिससे क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

सड़क की बदहाली के कारण विद्यार्थियों, कर्मचारियों, अधिकारियों एवं व्यापार से जुड़े लोगों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढों के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार

बना हुआ है तथा गंभीर मरीजों को अस्पताल ले जाने में भी परेशानी हो रही है।

इस गंभीर समस्या को लेकर भारत परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एसडीएम बीसलपुर एवं जिलाधिकारी पीलीभीत को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सड़क के गड्ढे भरवाने व पूर्ण मरम्मत कराने की मांग की।

ज्ञापन देने वालों में संतोष कुमार वर्मा एडवोकेट (जिला अध्यक्ष), कमल वर्मा, शिवदयाल वर्मा, ब्रजेश कुमार, रंजीत कुमार एवं अजय कुमार प्रमुख रूप से शामिल रहे।

भारत परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर बीसलपुर से शाहजहांपुर रोड पर खनंका पुल तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया, तो संगठन धरना-प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल करेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

स्थानीय नागरिकों ने भी प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है, ताकि संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।